पावन स्मृति
2024

21 अक्टूबर, 2024

"इतनी सी बात हवाओं को बताये रखना,
रोशनी होगी चिरागों को जलाये रखना,
लहू देकर की है जिसकी हिफाजत हमने,
ऐसे तिरंगे को हमेशा अपने दिल में बसाये रखना।"

शहीद पुलिस परिजनों से मिलते हुए
मा. मुख्यमंत्री, उ.प्र.

पुलिस स्मृति दिवस

2024

21 अक्टूबर, 2024

आनंदीबेन पटेल
राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

राज भवन
लखनऊ–226027
15 अक्टूबर, 2024

संदेश

'पुलिस स्मृति दिवस' 21 अक्टूबर, 2024 के अवसर पर मैं प्रदेश के उन सभी बहादुर पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित करती हूँ, जिन्होंने अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए देश एवं प्रदेश की सुरक्षा में अपने प्राणों का बलिदान दिया है।

उत्तर प्रदेश पुलिस बल का इतिहास स्वर्णिम एवं गौरवमयी है, जिसने भारतवर्ष में ही नहीं, अपितु विश्व में भी अपनी एक अलग पहचान स्थापित की है। उत्तर प्रदेश जैसे सर्वाधिक जनसंख्या वाले राज्य में पुलिसकर्मियों ने न केवल कानून–व्यवस्था सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, बल्कि वे निरन्तर सजग व सतर्क रहते हुए समाज में शान्ति और सुरक्षा के प्रतीक भी रहे हैं। विगत एक वर्ष में उत्तर प्रदेश पुलिस के 02 बहादुर जवानों ने कर्तव्य की वेदी पर अपने प्राणों की आहुतियाँ दी हैं। ऐसे पुलिसजन जिन्होंने अपने अमूल्य जीवन का बलिदान देकर कर्तव्य परायणता एवं शौर्य प्रदर्शन का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है, उन शहीदों को मैं शत्–शत् नमन करती हूँ।

मुझे विश्वास है कि जनमानस में सुरक्षा व शान्ति की भावना जागृत करने के उद्देश्य से हमारे इन वीर शहीदों की निष्ठा एवं साहस से प्रेरणा लेकर हमारे समस्त पुलिसजन कर्तव्य के पथ पर निरन्तर अग्रसर होंगे।

पुलिस स्मृति दिवस–2024 के अवसर पर प्रकाश्य पुस्तिका 'पावन स्मृति' के सफल प्रकाशन के लिये मैं अपनी हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करती हूँ।

(आनंदीबेन पटेल)

योगी आदित्यनाथ

मुख्य मंत्री
उत्तर प्रदेश

लोक भवन,
लखनऊ–226001

दिनांक : 16 अक्टूबर, 2024

संदेश

'पुलिस स्मृति दिवस' के अवसर पर, निष्ठा एवं प्रतिबद्धता के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए सर्वोच्च बलिदान देने वाले सभी पुलिस कार्मिकों को मैं विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ।

उत्तर प्रदेश पुलिस बल का इतिहास स्वर्णिम एवं गौरवशाली रहा है। उत्तर प्रदेश पुलिस बल एकल कमान के अन्तर्गत विश्व का सबसे बड़ा पुलिस संगठन है। पुलिस, समाज की सजग प्रहरी एवं सुरक्षा कवच है। कानून और व्यवस्था को बनाये रखने एवं सुरक्षा का वातावरण स्थापित करने में हमारे पुलिस बलों द्वारा किये गये उत्कृष्ट प्रयासों के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ। अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए बलिदान देने वाले पुलिस कार्मिकों की गौरवगाथा वर्तमान पीढ़ी के लिये अत्यन्त प्रेरणादायक है।

प्रदेश में अपराधियों के विरुद्ध की गई पुलिस कार्यवाहियों में पुलिस बल के कई जवानों ने अद्भुत साहस एवं शौर्य का प्रदर्शन करते हुये सर्वोच्च बलिदान दिया है। विगत एक वर्ष में उत्तर प्रदेश पुलिस के 02 वीर जवान कर्तव्य पालन के दौरान शहीद हुए हैं। 'पुलिस स्मृति दिवस' के अवसर पर मैं शहीद पुलिस कर्मियों के परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए यह आश्वस्त करता हूँ कि उत्तर प्रदेश सरकार शहीद पुलिस कर्मियों की स्मृतियों को जीवित रखेगी एवं उनके परिजनों के कल्याण हेतु सदैव तत्पर रहेगी।

कर्तव्यपरायण वीर शहीद पुलिस कार्मिकों को मैं पुनः उत्तर प्रदेश वासियों की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ।

(योगी आदित्यनाथ)

प्रशान्त कुमार, आई.पी.एस.
पुलिस महानिदेशक एवं
राज्य पुलिस प्रमुख, उत्तर प्रदेश

मुख्यालय पुलिस महानिदेशक, उ०प्र०
सिग्नेचर बिल्डिंग
शहीद पथ, गोमती नगर विस्तार,
लखनऊ– 226002
फोन नं0 0522–2724003/2390240, फैक्स नं0 0522–2724009
सीयूजी नं0 9454400101
ई–मेल : police.up@nic.in
वेबसाईट : https://uppolice.gov.in

दिनांक : 09 अक्टूबर, 2024

श्रद्धांजलि

प्रत्येक वर्ष **21 अक्टूबर** को हम सभी **'पुलिस स्मृति दिवस'** के रूप में उन वीर शहीद पुलिसजन को श्रद्धांजलि देने के लिये मनाते हैं, जिन्होंने राष्ट्र व समाज की रक्षा के लिये, कर्तव्यपालन में समर्पण और बलिदान का अप्रतिम उदाहरण प्रस्तुत करते हुये अपने प्राणों की आहुति दी है।

आज से 65 वर्ष पूर्व भारत की उत्तरी सीमा लद्दाख के हिमाच्छादित जनहीन क्षेत्र में 21 अक्टूबर, 1959 को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के 10 जवान नियमित गश्त पर निकले थे। स्वचालित रायफलों व मोर्टारों से लैस चीनी सैनिकों ने छलपूर्वक हमारे क्षेत्र में घात लगाकर अचानक गश्ती दल पर हमला कर दिया। अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिये साधारण शस्त्रों के बावजूद पुलिस दल की टुकड़ी ने चीनी सैनिकों का डटकर मुकाबला किया। अप्रतिम वीरता का परिचय देते हुए केन्द्रीय पुलिस बल के 10 बहादुर जवानों ने अपने प्राणों की आहुतियाँ दी थी। इन्हीं अमर वीर जवानों की याद में पुलिस स्मृति दिवस मनाने की परम्परा प्रचलित है।

01 सितम्बर, 2023 से 31 अगस्त, 2024 तक की अवधि में सम्पूर्ण भारतवर्ष में कर्तव्य की वेदी पर 216 पुलिसजन ने अपने प्राण न्योछावर किये। इनमें उत्तर प्रदेश के 02 पुलिसजन क्रमशः आरक्षी रोहित कुमार व आरक्षी सचिन राठी सम्मिलित हैं। कर्तव्य पालन में आत्म बलिदान करने वाले इन वीरों के पराक्रम से प्रदेश का सम्पूर्ण पुलिस बल गौरवान्वित है।

हमारे वीर जवानों का यह बलिदान उनकी सच्ची समर्पण भावना एवं कर्तव्य परायणता का द्योतक है तथा कर्तव्यनिष्ठा एवं जनसेवा के प्रति उनकी संकल्पबद्धता को प्रतिबिम्बित करता है। राष्ट्र आपके सर्वोच्च बलिदान का सदैव ऋणी रहेगा। आपकी वीरता की यशोगाथायें भावी पीढ़ियों को युगों–युगों तक प्रेरणा प्रदान करती रहेगी।

मैं पुलिस स्मृति दिवस पर अपनी तथा प्रदेश पुलिस बल की ओर से इन सभी वीर पुलिसजन को श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूँ एवं उनके परिवार को आश्वस्त करता हूँ कि उत्तर प्रदेश पुलिस सदैव उनके साथ है।

(प्रशान्त कुमार)
पुलिस महानिदेशक,
उत्तर प्रदेश।

पुलिस स्मृति दिवस–2024

कार्यक्रम

प्रातः 8:00 बजे
परेड फाल इन

प्रातः 8:20 बजे
पुलिस महानिदेशक, उ.प्र. का आगमन

प्रातः 8:25 बजे
मुख्य अतिथि का आगमन व अभिवादन

प्रातः 8:31 बजे
स्मृति परेड

प्रातः 8:55 बजे
पुष्प चक्र अर्पण

प्रातः 9:07 बजे
शोक शस्त्र एवं मौन (2मिनट)

प्रातः 9:09 बजे
मुख्य अतिथि व पुलिस महानिदेशक, उ.प्र.
की मंच पर वापसी

प्रातः 9:10 बजे
मुख्य अतिथि द्वारा सम्बोधन

मुख्य अतिथि के सम्बोधन के उपरान्त
परेड समाप्ति

केन्द्रीय रिज़र्व पुलिस बल के 10 जवानों ने 21 अक्टूबर 1959 को भारत की उत्तरी सीमा लद्दाख के हिमाच्छादित जनहीन क्षेत्र में चीनी सैनिकों के कपटपूर्ण किये गये हमले को निष्प्रभावी कर अपने प्राणों की आहुति इसी स्थल पर दी थी।

भारत की उत्तरी सीमा की रक्षा करते हुए 21 अक्टूबर सन् 1959 को शहीद हुए वीर जवानों की सूची

1.	सी.टी.	ईमान सिंह	प्रथम वाहिनी	सी.आर.पी.
2.	सी.टी.	पूरन सिंह	प्रथम वाहिनी	सी.आर.पी.
3.	सी.टी.	नुरबू लामा	प्रथम वाहिनी	सी.आर.पी.
4.	सी.टी.	बेगराज	द्वितीय वाहिनी	सी.आर.पी.
5.	सी.टी.	माखनलाल	द्वितीय वाहिनी	सी.आर.पी.
6.	सी.टी.	शिवनाथ	तृतीय वाहिनी	सी.आर.पी.
7.	सी.टी.	मनजीत सुबा	तृतीय वाहिनी	सी.आर.पी.
8.	सी.टी	धरम सिंह	तृतीय वाहिनी	सी.आर.पी.
9.	सी.टी.	श्रवण दास	तृतीय वाहिनी	सी.आर.पी.
10.	सी.टी.	शेरिंग नुरबू	तृतीय वाहिनी	सी.आर.पी.

पुलिस स्मृति दिवस–2024

जनसेवा का उच्च आदर्श हृदयंगम किये अनेकों पुलिसजन प्रति वर्ष कर्तव्यपथ का अनुगमन करते हुये वीरगति को प्राप्त होते रहे हैं। पुलिसजनों के कार्य की प्रकृति ही कुछ ऐसी है कि इसमें कदम–कदम पर जोखिम व जीवनभय सन्निहित है यही कारण है कि प्रतिवर्ष अपने कार्यों को अंजाम देने की प्रक्रिया में पुलिस कर्मी बड़ी संख्या में कर्तव्य की बलिवेदी पर अपनी प्राणाहुतियाँ देते रहे हैं। अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुये जन सेवा के उच्च आदर्श की प्राप्ति में मर–मिटने से भी गुरेज न करने वाले ये पुलिसजन मर कर भी अमर हो जाते हैं। इनकी कीर्ति व यशोगाथा समय के साथ क्षरित नहीं होती अपितु अविरल अनुप्राणित करती रहती है। पुलिस की भावी संततियों को उसी पथ पर द्विगुणित साहस व मनोयोग से आगे बढ़ने के लिये ऐसी एक गाथा आज से पैंसठ वर्ष पुरानी है।

भारत की उत्तरी सीमा, लद्दाख का जनहीन क्षेत्र 15,000 फिट से ऊँची बर्फ से ढके पर्वतों, दर्रों के बीच जहाँ कि सामान्य नागरिक सुविधाओं के उपलब्ध होने की कल्पना तक नहीं की जा सकती, वहाँ सदैव की भाँति उस दिन भी देश की सीमा के सजग प्रहरी ''केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल'' के जवान अपने नियमित गश्त पर निकले थे। गश्त के दौरान अचानक उन्हें लगा कि वे शत्रु से घिर चुके हैं। चीनी सैनिकों ने छलपूर्वक हमारे क्षेत्र में आकर हमारे ही सिपाहियों को पकड़ने के लिये एम्बुश लगाया था। चीनियों ने दावा किया कि वह क्षेत्र उनका है पर भारतीय पुलिस के जवान, जो कि अपने परिजनों को छोड़ सुख–सुविधा से दूर उस निर्जन क्षेत्र में मातृभूमि की रक्षा का प्रण लेकर आये थे, अपनी मातृभूमि का एक इंच टुकड़ा भी शत्रु को कैसे सौंप देते। प्राण देकर भी मातृभूमि की रक्षा करने की भारतीय बहादुरों की परम्परा पर उन्होंने आंच नहीं आने दी तथा साधारण शस्त्रों के सहारे ही ये जवान स्वचालित रायफलों व मोर्टारों से लैस चीनियों से भिड़ गये। इस प्रकार भारतीय पुलिस के दस बहादुर जवानों ने मातृभूमि की रक्षा में अपने प्राणों की आहुति दी।

इस घटना का समाचार पाकर सारा राष्ट्र स्तब्ध रह गया। 21 अक्टूबर, 1959 का यह दिन हमारे जवानों की प्रेरणा का एक अनन्य स्रोत बन गया। मातृभूमि की रक्षा के लिये प्राणों तक का उत्सर्ग कर देने वाले बहादुरों का बलिदान सदैव हमें अपने कर्तव्यों के प्रति दृढ़ रहने की प्रेरणा देता है। इन्हीं वीर जवानों की याद में प्रत्येक वर्ष 21 अक्टूबर को सम्पूर्ण भारत के पुलिसजन वीरगति को प्राप्त हुए अपने साथियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। ''शत्–शत् नमन'' उन बहादुरों को जिनके लिये कर्तव्य पालन प्राणों से भी अधिक प्रिय रहा।

दिनांक 01 सितम्बर, 2023 से 31 अगस्त, 2024 तक की अवधि में सम्पूर्ण भारत में 216 पुलिसजनों द्वारा कर्तव्य की वेदी पर अपनी जीवनाहुतियाँ दी गई हैं, जिसमें आंध्रप्रदेश–02, अरूणाचल प्रदेश–02, असम–06, बिहार–15, छत्तीसगढ़–11, झारखण्ड–04, कर्नाटक–05, केरल–01, मध्य प्रदेश–23, महाराष्ट्र–03, मणिपुर–06, मेघालय–01, नागालैण्ड–04,

उड़ीसा–02, पंजाब–02, राजस्थान–20, तमिलनाडु–05, तेलंगाना–01, त्रिपुरा–03, उत्तर प्रदेश–02, उत्तराखण्ड–04, पश्चिम बंगाल–09, अण्डमान निकोबार–01, दिल्ली–05, जम्मू कश्मीर–07, बीएसएफ–19, सीआईएसएफ–06, सीआरपीएफ–23, आईटीबीपी–06, एसएसबी–02, एफएस, सीडी एण्ड एचजी–02, आरपीएफ–14 जवान सम्मिलित हैं। उत्तर प्रदेश के समस्त पुलिसजन इनके महान कर्तव्यपालन व अप्रतिम बलिदान की सराहना में नतमस्तक हैं और अपनी हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

◆◆◆

दिनांक 01.09.2023 से 31.08.2024 तक की अवधि में कर्तव्यपथ पर वीरगति को प्राप्त हुए पुलिस कर्मियों की शौर्य गाथा से सम्बन्धित प्रमुख घटनायें

1. स्व0 रोहित कुमार, आरक्षी नागरिक पुलिस–212261389 ,जनपद फतेहगढ़ ।

स्व0 रोहित कुमार

दिनांकः 08.06.2024 को पीआरओ द्वारा प्र0नि0 श्री आमोद कुमार सिंह, थाना नवाबगंज, जनपद फतेहगढ़ को जरिये दूरभाष अवगत कराया गया कि ग्राम नगला चन्दन में खनन हो रहा है जिस पर प्र0नि0 श्री आमोद कुमार सिंह द्वारा जरिये टेलीफोन पूर्व में रवाना टीम गश्त अन्दर थाना क्षेत्र उ0नि0 श्री संतोष कुमार मय हमराह का0 605 ना0पु0 रोहित कुमार व हो0गा0 1075 विजय सिंह, चालक हे0का0 302 शैलेन्द्र कुमार को उपरोक्त सूचना से अवगत कराते हुए खनन रोकने का निर्देश दिया गया, जिस पर उ0नि0 श्री संतोष कुमार अपनी टीम को लेकर घटना स्थल ग्राम चन्दन नगला के पास पहुंचे, टीम के आरक्षी 605 रोहित कुमार द्वारा अपने कर्तव्य का पालन करते हुये अवैध खनन को रोकने के प्रयास में संदिग्ध आयशर ट्रैक्टर रंग सिल्वर रजि0 नं0 UP 76 AE 7331 मय ट्राली व जे0सी0बी0 नम्बर UP 74 AT 0594 को रोकने का प्रयास किया गया। यह अवैध खनन के जरिये मिट्टी चोरी कर ले जा रहे थे। उनके पीछे एक व्यक्ति भी मोटरसाइकिल हीरो होण्डा पैशन प्रो नं0 UP 84 H 4591 से चल रहा था। आरक्षी 605 रोहित कुमार द्वारा ट्रैक्टर ट्राली को रोकने पर ट्रैक्टर चालक व मोटर साइकिल सवार व्यक्ति द्वारा एक राय होकर तेजी से ट्रैक्टर से कट मार दिया जिससे ट्रैक्टर ट्राली से टक्कर होने के कारण उक्त आरक्षी बुरी तरह घायल हो गया। आरक्षी को घायल अवस्था में लोहिया अस्पताल, फर्रूखाबाद ले जाया गया, जहां से आरक्षी को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। आरक्षी के बेहतर इलाज के लिये सिटी अस्पताल, आवास विकास कॉलोनी, फर्रूखाबाद ले जाया गया, जहाँ इलाज के दौरान दिनांक 09.06.2024 को समय 06:30 बजे आरक्षी रोहित कुमार की मृत्यु हो गयी।

इस प्रकार आरक्षी रोहित कुमार द्वारा कर्तव्यों का निर्वहन करते हुये अपने प्राणों की आहुति दी गयी।

2. स्व0 सचिन राठी, आरक्षी नागरिक पुलिस–192830951, जनपद कन्नौज।

स्व0 सचिन राठी

दिनांकः 25.12.2023 को प्रभारी निरीक्षक श्री जितेन्द्र प्रताप सिंह, थाना छिबरामऊ, जनपद कन्नौज मय हमराह फोर्स उ0नि0 श्री प्रमोद कुमार तिवारी, राहुल शर्मा व मुख्य आरक्षी श्री संदीप सिंह गौतम, राजकुमार, महेन्द्र एवं मुख्य आरक्षी चालक श्री चक्र सुदर्शन व अन्य कर्मी मय सरकारी गाड़ी नम्बर UP 74 G 0273 के साथ अभियुक्त अशोक कुमार उर्फ मुनुआ पुत्र रामनरेश यादव, निवासी–ग्राम धरनीधरपुर, नगरिया, थाना–विशुनगढ़, जनपद–कन्नौज का माननीय न्यायालय स्पेशल जज, कन्नौज द्वारा जारी गिरफ्तारी अधिपत्र व धारा–82 सीआरपीसी सम्बन्धित अपराध संख्याः–1533/2009 धारा–21/22 एनडीपीएस एक्ट, मु0अ0सं0–62/2011 चालानी थाना छिबरामऊ, जनपद–कन्नौज की गिरफ्तारी के सम्बन्ध में थाना क्षेत्र विशुनगढ़ आये। थाना विशुनगढ़ से आरक्षी 431 ना0पु0 सचिन राठी, आरक्षी 401 ना0पु0 नीरज कुमार मय ईगल मोबाईल UP 74 G 0299 के, जो पूर्व से क्षेत्र में रवाना थे, को तलब कर थाना विशुनगढ़ से रवाना होकर ग्राम धरनीधरपुर, नगरिया पहुँचकर अभियुक्त अशोक कुमार उर्फ मुनुआ पुत्र राम नरेश यादव निवासी–उपरोक्त के घर समय 04:30 बजे दबिश दी गयी, तो अभियुक्त एवं उसका बेटा टिंकू उर्फ अभयराज व अभियुक्त की पत्नी श्रीमती श्यामा देवी अपने घर से बन्दूक व तमन्चे से पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नियत से यह कहते हुए कि आज बचकर नहीं जा पाओगे, अन्धाधुन्ध फायरिंग करने लगे। इसी बीच एक गोली आरक्षी 431 ना0पु0 सचिन राठी की जांघ में लग गई, जो मौके पर ही गिर गये। यह देखकर आरक्षी ना0पु0 सचिन राठी को उ0नि0 श्री प्रमोद तिवारी व आरक्षी 401 ना0पु0 नीरज कुमार व मुख्य आरक्षी राजकुमार के साथ चार पहिया वाहन में बिठाकर छिबरामऊ में 100 शैय्या अस्पताल इलाज हेतु भेजा गया, जहाँ चिकित्सकों द्वारा घायल आरक्षी 431 ना0पु0 सचिन राठी की गम्भीर हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार देकर हायर सेन्टर रीजेन्सी अस्पताल, कानपुर नगर रिफर किया गया तथा चौकी प्रभारी 100 शैय्या के उपनिरीक्षक ना0पु0 श्री राजेश रावत को घायल आरक्षी के साथ मदद इलाज हेतु भेजा गया। रीजेन्सी अस्पताल, कानपुर नगर में इलाज के दौरान दिनांकः 26.12.2023 को आरक्षी सचिन राठी की मृत्यु हो गयी।

इस प्रकार आरक्षी सचिन राठी द्वारा कर्तव्यों का निर्वहन करते हुये अपने प्राणों की आहुति दी गयी।

◆◆◆

Police Commemoration Day

October 21st, 2024

S.No.	Rank	Name (Late)
	ANDHRA PRADESH	
1.	HEAD CONSTABLE	G NARENDRA
2.	CONSTABLE	BILLE GANESH
	ARUNACHAL PRADESH	
3.	INSPECTOR	SOCHI DON
4.	CONSTABLE	PASSANG DONDUP
	ASSAM	
5.	HAVILDAR	BIMAN PHUKAN
6.	LANCE NAIK	KARTIK BEZBARUAH
7.	LANCE NAIK	KANAK SARANIA
8.	UB/LNK	ABDUL RAZZAQUE SARKAR
9.	CONSTABLE	MINTU ROY
10.	CONSTABLE	ADIT LANGTHASA
	BIHAR	
11.	SUB-INSPECTOR	SATIBHA KUMARI
12.	SUB-INSPECTOR	RAM BHAJAN SINGH
13.	SUB-INSPECTOR	KHAMAS CHOUDHARY
14.	SUB-INSPECTOR	PRABHAT RANJAN
15.	ASST. SUB-INSPECTOR	VIJAY KUMAR CHAUHAN

S.No.	Rank	Name (Late)
16.	ASST. SUB-INSPECTOR	DEVNATH RAM
17.	HAWALDAR	HARENDRA KUMAR SINGH
18.	HAWALDAR	RAMDEV YADAV
19.	CONSTABLE	AMITA BACHCHAN
20.	CONSTABLE	ASHOK KUMAR URAV
21.	CONSTABLE	PAWAN KUMAR MAHATO
22.	CONSTABLE	DIGVIJAY KUMAR
23.	CONSTABLE	SUDHIR KUMAR
24.	CONSTABLE	DEEPAK KUMAR SINGH
25.	CONSTABLE	VIJAY KUMAR
	CHHATTISGARH	
26.	COMPANY COMMANDER	TIJAU RAM BHUARY
27.	ASST. SUB-INSPECTOR	CHAMARU TELAM
28.	HEAD CONSTABLE	SODI LAXAMAN
29.	HEAD CONSTABLE	ARVIND EKKA
30.	HEAD CONSTABLE	RAM ASHISH YADAV
31.	CONSTABLE	RAMESH KORETI
32.	CONSTABLE	KAMLESH KUMAR SAHU

S.No.	Rank	Name (Late)
33.	CONSTABLE	NITESH EKKA
34.	CONSTABLE	BHARATLAL SAHU
35.	CONSTABLE	SATTER SINGH
36.	CONSTABLE	JOGRAJ KARMA
	JHARKHAND	
37.	HAVILDAR	CHAUHAN HEMBROM
38.	CONSTABLE	SIKANDER SINGH
39.	CONSTABLE	SUKAN RAM
40.	CONSTABLE	RAMDEO MAHTO
	KARNATAKA	
41.	ASSISTANT COMMANDANT	PRABHAKAR
42.	ASST. SUB-INSPECTOR	JAGADEESH
43.	CHC	SANJEEV KUMAR
44.	CPC	MAHESH G V
45.	SRHC	VITTAL Y GADADAR
	KERALA	
46.	CPO	AJAYA KUMAR
	MADHYA PRADESH	
47.	SUB-INSPECTOR	RAMESH BHASKARE
48.	SUB-INSPECTOR	VIMAL TIWARI

S.No.	Rank	Name (Late)
49.	SUB-INSPECTOR	RAMLAL AZAD
50.	ASST. SUB-INSPECTOR	RAJENDRA SINGH KHICHI
51.	ASST. SUB-INSPECTOR	MAHENDRA BAGRI
52.	ASST. SUB-INSPECTOR	GOVIND SINGH CHOUHAN
53.	ASST. SUB-INSPECTOR	KAILASH CHANDRA SHARMA
54.	ASST. SUB-INSPECTOR	NARESH KUMAR SHARMA
55.	ASST. SUB-INSPECTOR	SANTOSH KUMAR SINGH
56.	ASST. SUB-INSPECTOR	MAHARAJ SINGH
57.	ASST. SUB-INSPECTOR	SANJAY PANDEY
58.	HEAD CONSTABLE	SHIVPAL KOL
59.	HEAD CONSTABLE	SHRAVAN KUMAR RAI
60.	HEAD CONSTABLE	RAKESH KUMAR THAKUR
61.	CONSTABLE	KRANTI KUMAR MISHRA
62.	CONSTABLE	MANOJ KUMRAWAT
63.	CONSTABLE	POORAN LAL IRPACHE
64.	CONSTABLE	PANKAJ KUMAR BHALAVI
65.	CONSTABLE	UDAY SENGAR
66.	CONSTABLE	TAAMSINGH MARAVI
67.	CONSTABLE	CHANDRABHAN SINGH
68.	CONSTABLE	UPENDRA RAWAT
69.	CONSTABLE	AJAY WASKEL

S.No.	Rank	Name (Late)
	MAHARASHTRA	
70.	SUB-INSPECTOR	PRAKASH NANA SHINDE
71.	CONSTABLE	RAHUL GOPICHAND PAWARA
72.	CONSTABLE	VAIBHAV SUNIL WAGH
	MANIPUR	
73.	DY. SUPERINTENDENT OF POLICE	CHINGTHAM ANAND KUMAR SINGH
74.	SUB-INSPECTOR	ONKHOMANG HAOKIP
75.	HAVILDAR	TAKHELLAMBAM SEILESHWOR SINGH
76.	CONSTABLE	MD. ABDUL LATIF
77.	RIFLEMAN	WANGKHEM SOMORJIT MEETEI
78.	RIFLEMEN	TONGMINLEN TOUTHANG
	MEGHALAYA	
79.	HAVILDAR	MARCELLINUS KHARBULI
	NAGALAND	
80.	HAVILDAR	NIKIYE TSUIPU
81.	CONSTABLE	WETELHOU LOSOU
82.	CONSTABLE	AKANGLUBA
83.	CONSTABLE	KHETOPU AWOMI

S.No.	Rank	Name (Late)
	ODISHA	
84.	HAVILDAR	PRADEEP KUMAR MALLICK
85.	CONSTABLE	HIMANSU SEKHAR RATHA
	PUNJAB	
86.	CONSTABLE	AMRITPAL SINGH
87.	PHG	JASPAL SINGH
	RAJASTHAN	
88.	ASST. SUB-INSPECTOR	RAM CHANDRA
89.	ASST. SUB-INSPECTOR	RAM SWAROOP
90.	HEAD CONSTABLE	CHANDA KUMARI
91.	HEAD CONSTABLE	KUSHI RAM RAJALWAL
92.	HEAD CONSTABLE	LEHAR CHAND
93.	HEAD CONSTABLE	SHISH RAM
94.	HEAD CONSTABLE	SUKH RAM
95.	HEAD CONSTABLE	UMRAV SINGH
96.	HEAD CONSTABLE	VINOD KUMAR
97.	CONSTABLE	BHANWAR LAL
98.	CONSTABLE	DHARA SINGH MEENA
99.	CONSTABLE	KUMBHA RAM
100.	CONSTABLE	MAHENDRA RAM

S.No.	Rank	Name (Late)
101.	CONSTABLE	MAHIPAL
102.	CONSTABLE	NIRANJAN SINGH
103.	CONSTABLE	PRAVIN CHANDRA
104.	CONSTABLE	SATYNDER SINGH
105.	CONSTABLE	SUKH RAM
106.	CONSTABLE	SURESH MEENA
107.	CONSTABLE	THANA RAM
	TAMIL NADU	
108.	SPL. SUB-INSPECTOR	K PUSHPARAJ
109.	HEAD CONSTABLE	KUMARAN
110.	CONSTABLE GR-I	KARTHIKEYAN
111.	CONSTABLE GR-I	P VIGNESH
112.	CONSTABLE GR-II	S JESU ALWIN
	TELANGANA	
113.	PC/JC	ADE PRAVEEN
	TRIPURA	
114.	CONSTABLE	ASHRAM MANI REANG
115.	RIFLEMAN	ASHIS BOSE
116.	RIFLEMAN	SANDAMA DARLONG

S.No.	Rank	Name (Late)
	UTTAR PRADESH	
117.	CONSTABLE	ROHIT KUMAR
118.	CONSTABLE	SACHIN RATHI
	UTTARAKHAND	
119.	ADDL. SUB-INSPECTOR	KANTA THAPA
120.	HEAD CONSTABLE	GANESH KUMAR
121.	CONSTABLE	GANESH KUMAR
122.	CONSTABLE	GOVIND SINGH BHANDARI
	WEST BENGAL	
123.	SUB-INSPECTOR	SUJOY DAS
124.	CONSTABLE	BABLU GARAI
125.	CONSTABLE	BIMAL MONDAL
126.	CONSTABLE	BISWAJIT BHATTACHARJEE
127.	CONSTABLE	DEBASIS DAS
128.	CONSTABLE	RAM CHANDRA SAW
129.	CONSTABLE	RANJIT BARMAN
130.	CONSTABLE	SANDIP BARMAN
131.	CONSTABLE	SOUVIK SAU

S.No.	Rank	Name (Late)
	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	
132.	HOME GUARD	LEELA DEVI
	DELHI	
133.	INSPECTOR	DINESH KUMAR
134.	INSPECTOR	RANBIR SINGH
135.	SUB-INSPECTOR	GANGA SHARAN
136.	ASST. SUB-INSPECTOR	DINESH DUTT SHARMA
137.	HEAD CONSTABLE	JAI OM SHARMA
	JAMMU & KASHMIR	
138.	DY SUPERINTENDENT OF POLICE	HIMAYUN MUZAMIL BHAT
139.	INSPECTOR	MASROOR ALI WANI
140.	PROB. SUB-INSPECTOR	DEEPAK SHARMA
141.	ASST. SUB-INSPECTOR	RAMESH KUMAR
142.	HEAD CONSTABLE	RASHID MOHD
143.	HEAD CONSTABLE	GHULAM MOHAMMAD
144.	CONSTABLE	WASEEM AMIN CHESTI
	BSF	
145.	ASSISTANT COMMANDANT	VISHWA DEO
146.	SUB-INSPECTOR	RAJBIR SINGH
147.	ASST. SUB-INSPECTOR	SANSAM INAO SINGH
148.	HEAD CONSTABLE	ANAND PRAKASH
149.	HEAD CONSTABLE	LALFAM KIMA
150.	HEAD CONSTABLE	BALBIR CHAND
151.	HEAD CONSTABLE	BAIDYANATH PRASAD
152.	HEAD CONSTABLE	AKHILESH KUMAR RAI
153.	HEAD CONSTABLE	CHHOTU RAM JAT
154.	HEAD CONSTABLE	ANANG PAL
155.	HEAD CONSTABLE	DAYAL RAM
156.	HEAD CONSTABLE	ASHOK KUMAR
157.	CONSTABLE	VIRENDER SINGH
158.	CONSTABLE	PRAKASH CHANDRA SHIAL
159.	CONSTABLE	KARAN KUMAR
160.	CONSTABLE	ISHWAR CHANDRA DORA
161.	CONSTABLE	BALBIR SINGH MEENA
162.	CONSTABLE	REYAZ AHMAD RATHER
163.	CONSTABLE	GAUTAM BAGRI

S.No.	Rank	Name (Late)
	CISF	
164.	ASST. SUB-INSPECTOR	GOVARDHAN PRASAD SHARMA
165.	ASST. SUB-INSPECTOR	SATYENDRA PRASAD RAI
166.	HEAD CONSTABLE	JASWANT RAJ
167.	HEAD CONSTABLE	KUMAR RAJEEV RANJAN
168.	CONSTABLE	RAHUL SHARMA
169.	CONSTABLE	ARJUN SINGH KANWAR
	CRPF	
170.	ASSISTANT COMMANDANT	M V SHESHAGIRI
171.	INSPECTOR	KULDEEP KUMAR
172.	SUB-INSPECTOR	BHADRESWAR ROY
173.	SUB-INSPECTOR	G SUDHAKAR REDDY
174.	SUB-INSPECTOR	NASHIRUDDIN SARKAR
175.	ASST. SUB-INSPECTOR	GIREESH BABU
176.	HEAD CONSTABLE	GIRISH KUMAR N
177.	HEAD CONSTABLE	NABA KUMAR DAS
178.	HEAD CONSTABLE	ARUP SAINI
179.	CONSTABLE	METTA TEJESWARA RAO

S.No.	Rank	Name (Late)
180.	CONSTABLE	SUNIL KUMAR PANDEY
181.	CONSTABLE	KABIR DAS UIKEY
182.	CONSTABLE	AJAY KUMAR JHA
183.	CONSTABLE	SANTOSH ORAON
184.	CONSTABLE	HARISH
185.	CONSTABLE	DEVENDRA KUMAR
186.	CONSTABLE	SHAILENDRA
187.	CONSTABLE	VISHNU R
188.	CONSTABLE	KAVITA KUMARI
189.	CONSTABLE	RAJESH KUMAR
190.	CONSTABLE	DEVAN C
191.	CONSTABLE	LAMBADHAR SINGHA
192.	CONSTABLE	PAWAN KUMAR
	ITBP	
193.	INSPECTOR	CHANDRA MOHAN
194.	ASST. SUB-INSPECTOR	JAIPAL SINGH
195.	HEAD CONSTABLE	JOGINDER KUMAR
196.	CONSTABLE	SUNIL DHANRAJ
197.	CONSTABLE	DIPESH PARMAR

S.No.	Rank	Name (Late)
198.	CONSTABLE	TRIMOHAN SINGH
	SSB	
199.	CONSTABLE	RAMESH KUMAR
200.	CONSTABLE	SAHADEB BARMAN
	FS. CD & HG	
201.	SUB-OFFICER	SATISH TERON
202.	HOME GUARD	BECHU YADAV
	RPF	
203.	INSPECTOR	P BISWAKARMA
204.	SUB-INSPECTOR	JAI CHAND SHARMA
205.	SUB-INSPECTOR	RAJESH PRASAD SRIVASTAVA
206.	ASST. SUB-INSPECTOR	OM PRAKASH YADAV

S.No.	Rank	Name (Late)
207.	ASST. SUB-INSPECTOR	RUPESH KUMAR BISWAS
208.	HEAD CONSTABLE	BINOD KUMAR
209.	HEAD CONSTABLE	NIRAKAR BEHERA
210.	HEAD CONSTABLE	RABUIL HAQUE
211.	HEAD CONSTABLE	SHYAM MOHAN SINGH
212.	CONSTABLE	ANUKUL SAKORE
213.	CONSTABLE	ANUP BODRA
214.	CONSTABLE	J MANJUNATH
215.	CONSTABLE	MD. JAWED KHAN
216.	CONSTABLE	PRAMOD KUMAR

◆◆◆

The Last Post - A True Story

Reportedly, it all began in 1862 during the American Civil War, when Union Army Captain Robert Ellicombe was with his men near Harrison's Landing in Virginia. The Confederate Army was on the other side of the narrow strip of land.

During the night, Captain Ellicombe heard the moans of a soldier who lay severely wounded on the field. Not knowing if it was a Union or Confederate soldier, the Captain decided to risk his life and bring the stricken man back for medical attention. Crawling on his stomach through the gunfire, the Captain reached the stricken soldier and began pulling him toward his encampment.

When the Captain finally reached his own lines, he discovered it was actually a Confederate soldier, but the soldier was dead.

The Captain lit a lantern and suddenly caught his breath and went numb with shock. In the dim light, he saw the face of the soldier. It was his own son. The boy had been studying music in the South when the war broke out. Without telling his father, the boy enlisted in the Confederate Army.

The following morning, heartbroken, the father asked permission of his superiors to give his son a full military burial, despite his enemy status. His request was only partially granted.

The Captain had asked if he could have a group of Army band members play a funeral dirge for his son at the funeral.

The request was turned down since the soldier was a Confederate.

But, out of respect for the father, they did say they could give him only one musician.

The Captain chose a bugler. He asked the bugler to play a series of musical notes he had found on a piece of paper in the pocket of the dead youth's uniform.

This wish was granted.

The haunting melody, we now know as 'The Last Post' used at military funerals was born.

Contributed by

Sri. S.N. Singh

ADG (Rtd)

'अन्तिम धुन' – वास्तविक कहानी

यह गाथा है सन् 1862 के अमेरिकी गृह युद्ध के समय की जब यूनियन आर्मी सेना के कप्तान राबर्ट इलिकोम्बे अपने साथियों के साथ वर्जीनिया के हैरीसन लैंडिग के निकट थे तथा सामने दूसरी तरफ थी कानफेडरेट आर्मी।

युद्ध क्षेत्र में रात्रि के समय कैप्टन इलिकोम्बे ने एक सैनिक के कराहने की आवाज सुनी जो बुरी तरह जख्मी था। यह जाने बिना कि घायल सैनिक यूनियन आर्मी का है अथवा कानफेडरेट आर्मी का, कैप्टन ने अपनी जान को जोखिम में डालते हुए घायल सैनिक के चिकित्सीय मदद का निर्णय लिया। गोलाबारी के बीच रेंगते हुए कैप्टन घायल सैनिक तक पहुंच कर उसे अपने कैम्प की तरफ लाने लगा।

जब कैप्टन अन्ततः अपने कैम्प की सीमा में पहुंचा तब पाया कि वास्तव में वह एक कानफेडरेट सैनिक था, परन्तु वह सैनिक मर चुका था।

कैप्टन ने एक लालटेन जलाई और उसकी मद्धिम रोशनी में उक्त सैनिक का चेहरा देखा तो सदमे से सन्न रह गया। वह उसका अपना ही पुत्र था।

जब युद्ध शुरू हुआ तो वह लड़का 'साउथ' में संगीत का अध्ययन कर रहा था। अपने पिता को बिना बताये वह कानफेडरेट आर्मी में भर्ती हो गया था।

अगले दिन सुबह शत्रु सेना के लिये शहीद अपने पुत्र के शव को पूर्ण सैनिक सम्मान के साथ दफनाने के लिये अपने रूंधे हुए गले से वरिष्ठ अधिकारियों से कैप्टन ने अनुमति मांगी। उसके आग्रह को आंशिक रूप से स्वीकार कर लिया गया।

कैप्टन ने अपने पुत्र के अन्तिम संस्कार के समय आर्मी बैण्ड समूह द्वारा शोक धुन बजाये जाने की अनुमति मांगी।

कानफेडरेट आर्मी का सैनिक होने के कारण उसके आग्रह को अस्वीकार कर दिया गया। परन्तु पिता के सम्मान को दृष्टिगत रखते हुए उन्होंने बैण्ड के एक सदस्य को देने की अनुमति दी। कैप्टन ने एक 'बिगुलर' को चुना। कैप्टन ने मृत युवा सैनिक की वर्दी की जेब से मिले पत्र में लिखित संगीत श्रृंखला की धुन बजाने के लिये कहा। कैप्टन की यह इच्छा मान ली गयी।

यह वही 'अन्तिम धुन' है जो आज भी शहीद सैनिकों के सम्मान में गुंजायमान होती है।

The Last Post

Day is done
Gone the sun
From the lakes
From the hills

From the sky
All is well
Safely rest
God is nigh

Fading light
Dims the sight
And a star
Gems the sky
Gleaming bright
From afar
Drawing nigh
Falls the night

Thanks and praise
For our days
Neath the sun
Neath the stars
Neath the sky
As we go
This we know
God is nigh.

POLICE
HEADQUARTERS
पुलिस मुख्यालय
अमर
जवान

21 अक्टूबर, 1959 स्मृतिका
उत्तरी लद्दाख सीमा

केन्द्रीय रिज़र्व पुलिस बल के 10 जवानों ने 21 अक्टूबर, 1959 को भारत की उत्तरी सीमा लद्दाख के हिमाच्छादित जनहीन क्षेत्र में चीनी सैनिकों के कपटपूर्ण किये गये हमले को निष्प्रभावी कर अपने प्राणों की आहुति इसी स्थल पर दी थी।

राष्ट्रीय पुलिस स्मारक
National Police Memorial

राष्ट्रीय पुलिस स्मारक को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 21 अक्टूबर, 2018 को राष्ट्र को समर्पित किया।

मुद्रक : प्रकाश पैकेजर्स, लखनऊ